

७  
५

पुष्पावली जेठ। वकील पार्सी व पार्सी  
का आवाम लगाई जाती। बार-बार  
आवाम लगाते के बावजूद भी  
पार्सी व वकील पार्सी आमावस्य  
में हाजिर नहीं होते यह  
बाड़ी का बाड ऊपर हाजिर

अपने प्रेमी से अतिरिक्त किसी  
पात्र की परभावना फैलाने का  
सकल साधन से काम लेकर  
प्राप्त करना है

ॐ  
ॐ